**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Need to review the residential and other amenities provided to central civil servants in the country..

**श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ):** महोदय, देश को आजाद हुए 72 वर्ष से अधिक हो गए, परंतु आज भी हमारी अनेक व्यवस्थाएं सामंती युग का स्मरण दिलाती हैं । जिला तथा इसके मंडल मुख्यालयों पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के आवास इसके उदाहरण हैं । अनेक स्थानों पर ये आवास कई एकड़ में फैले हैं । इनमें खेती भी होती है तथा अन्य कार्यों को करने के लिए राजकोष से वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारी सेवा में रहते हैं, जिनकी संख्या 20-25 अथवा 50 तक भी होती है । उपरोक्त प्रकार के बंगले तथा राजसी व्यवस्थाएँ जहां एक ओर इन अधिकारियों को जनता के सेवक के स्थान पर जनता का अहंकारी मालिक बनाती हैं, वहीं आम आदमी अपनी व्यथा इनके सामने रखने का साहस नहीं जुटा पाता ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि केन्द्रीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों के आवास तथा व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसे नियम निर्धारित किए जाएं, जो लोकतंत्र की भावना के अनुरूप हों ।

**HON. CHAIRPERSON** : Dr. Subhash Ramrao Bhamre – not present.